निर्णायक बदलाव: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पर

लेखक - हरिकिशन शर्मा (संपादक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (शासन व्यवस्था) एवं प्रश्न पत्र- III (आंतरिक सुरक्षा) से संबंधित है।

द हिन्दू

28 दिसम्बर, 2019

"चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता कायम रख सकते हैं।"

सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद सृजित करने के लिए उचित सतर्कता के साथ काम किया है, जो सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) का प्रमुख होगा। केवल चार महीने पहले ही यानी 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने इस पद को बनाने के महत्व पर बल दिया था, इसके अलावा दिवंगत मनोहर पर्रिकर के बाद दो रक्षा मंत्री आए और उन्होंने भी वादा किया कि यह कदम सरकार के एजेंडे पर महत्त्वपूर्ण रूप से स्थापित है।

हालाँकि, इसमें हुई देरी ने तीनों सेवाओं – भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना– के मन में आशंकाओं को जन्म दिया है की क्या इस पहल से सशस्त्र बलों की तीनों शक्तियों की भूमिका और कार्यप्रणाली पर प्रभाव पड़ेगा या नहीं, विशेष रूप से इनके महत्व को बढ़ाने या घटाने के संदर्भ में।

इसके अलावा, नौकरशाही में भी एक समानांतर सोच रहेगी कि इस तरह की बदलाव का उन पर क्या असर पड़ेगा। यह कदम सीडीएस को सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में चार सितारा जनरल के पद पर स्थापित करेगा।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक ऐतिहासिक फैसला करते हुए देश में उच्च रक्षा प्रबंधन में जबरदस्त सुधार के साथ 4 स्टार जनरल के रैंक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ का पद सृजित करने की मंजूरी दे दी है, जिनका वेतन और अतिरिक्त सुविधाएँ सर्विस चीफ के बराबर होंगी।
- चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ सैनिक मामलों के विभाग (डीएमए) का भी प्रमुख होगा, जिसका गठन रक्षा मंत्रालय के भीतर किया जाएगा और वह उसके सचिव के रूप में कार्य करेगा।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीडीएस का काम अत्यधिक चुनौतीपूर्ण होगा, एक ऐसा कार्य जिसके बारे में अंदाजा लगाना आसान है मगर करना मुश्किल है। यह पद पारंपरिक सैन्य मानसिकता के कुल परिवर्तन का संकेत देता है।

सीडीएस को उचित संयुक्त आदेशों में सैन्य आदेशों का पुनर्गठन करना पड़ेगा, जिसके लिए एक महत्त्वपूर्ण शर्त एक साथ कार्य करना जुड़ा हुआ है, यह एक ऐसा शब्द है जो एक लक्ष्य की दिशा में एक साथ काम करने के लिए सशस्त्र बलों को प्रेरित करता है। भारत के अनुभव को देखते हुए यह एक कठिन काम है। आजादी के बाद से सशस्त्र बल अलग से काम कर रहे हैं, जिनमें एकजुटता के साथ काम करने की कोई अवधारणा नहीं थी।

इनकी एकजुटता उस वक्त दिखती है जब विभिन्न सेवाओं के अधिकारी वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज या नेशनल डिफेंस कॉलेज दिल्ली में पाठ्यक्रमों के लिए जाते हैं। इन सभी को कई कारणों से जल्द से जल्द बदलना होगा। इन्हें न सिर्फ अमेरिकियों के अफगानिस्तान से बाहर निकलने की तैयारी के कारण इस क्षेत्र में सुरक्षा के माहौल के कारण बदलना होगा बल्कि अनुच्छेद 370 के कारण उत्पन्न विवाद की वजह से भी बदलना होगा।

कैबिनेट द्वारा जारी किए गए विज्ञप्ति के अनुसार, नए पदधारी के पास इसे हासिल करने के लिए तीन साल होंगे। हालाँकि,

यहाँ यह भी देखना होगा कि पहला पदधारी दिए गए तीन साल के कार्यकाल में कैबिनेट के लक्ष्य को पूरा कर पाता है या नहीं।

कार्य रणनीतिक है, इसलिए इसमें व्यक्तिगत पर्यवेक्षण की आवश्यकता है, साथ ही यह भी ध्यान देना होगा कि कोई भी अधूरा कार्य उत्तराधिकारी के लिए न छोड़ा जाए। चुनौतियों और सीमित समय-सीमा को देखते हुए,यह कहा जा सकता है कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद आसान नहीं रहने वाला है।

क्या है?

- तीनों सेनाओं के प्रभारी होंगे। इससे तीनों सेनाओं को एक नेतृत्व प्राप्त होगा, जो तीनों सेवाओं के दीर्घकालिक नियोजन, खरीद, प्रशिक्षण एवं लॉजिस्टिक्स का समन्वय करेगा।वर्तमान स्थिति को देखते हुए तीनों सेवाओं में समन्वय स्थापित करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गया है।देश में किसी भी प्रकार के हमले/गतिरोध से संसाधनों तथा रक्षा बजट पर अधिक पर दबाव बढ़ता है, इसलिये CDS नियुक्ति से संयुक्त योजना व प्रशिक्षण से संसाधनों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।
- यह खरीद-फरोख्त को अनुकूलित करने, सेवाओं के बीच दोहराव से बचने तथा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- यह परमाणु मुद्दों पर प्रधानमंत्री के सैन्य सलाहकार के रूप में भी कार्य करेगा।

अन्य देशों की स्थिति?

- अमेरिका, चीन, यूनाइटेड किंगडम, जापान सहित दुनिया के कई देशों के पास चीफ ऑफ डिफेंस जैसी व्यवस्था है। नाटो देशों की सेनाओं में ये पद हैं।
- विस्तृत भूमि, लंबी सीमाओं, तटरेखाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों को सीमित संसाधनों से निपटने के लिए भारत के पास एकीकृत रक्षा प्रणाली के लिए चीफ ऑफ डिफेंस पद की बहुत जरूरत थी।
- मौजूदा समय प्रचलित चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी में सेना, नौसेना और वायुसेना प्रमुख रहते हैं। सबसे वरिष्ठ सदस्य को इसका चेयरमैन नियुक्त किया जाता है।
- इस पद के वरिष्ठतम सदस्य को रोटेशन के आधार पर रिटायरमेंट तक दिया जाता है। धनोआ 31 मई से सीओएससी के चेयरमैन बने हैं।
- चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन के पास तीन सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होती है।
- देश के सामने मौजूद बाहरी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सामान्य रणनीति तैयार करने का दायित्व भी सीओएससी का ही होता है।
- चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ के नेतृत्व में सैन्य मामलों का विभाग निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य करेगा :
- संघ की सशस्त्र सेना यानी थल सेना, नौसेना और वायु सेना।
- रक्षा मंत्रालय के समन्वित मुख्यालय जिनमें थल सेना मुख्यालय, नौसेना मुख्यालय, वायु सेना मुख्यालय और डिफेंस स्टॉफ मुख्यालय शामिल हैं।
- सेना, नौसेना और वायु सेना से जुड़े कार्य ।
- चालू नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार पूँजीगत प्राप्तियों को छोड़कर सेवाओं के लिए विशिष्ट खरीद।

पृष्ठभूमि

- 15 अगस्तर, 2019 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।
- प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा था, 'भारत में खंडित दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। हमारी पूरी सैन्य शक्ति को एकजुट होकर काम करना होगा और आगे बढ़ना होगा।
- सभी तीनों सेवाओं को एक साथ एक ही गति से आगे बढ़ना चाहिए एवं अच्छा सामंजस्य होना चाहिए और यह देशवासियों की आशा एवं आकांक्षाओं के लिए प्रासंगिक होना चाहिए। यह विश्व भर में बदलते युद्ध और सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप होना चाहिए।

इस पद (सीडीएस) के सृजन के बाद तीनों ही सेनाओं को शीर्ष स्तर पर प्रभावशाली नेतृत्व सुनिश्चित होगा।'

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. हाल ही में, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद से संबंधित नियमों में कुछ बदलाव किया गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके द्वारा सीडीएस को सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में चार सितारा जनरल के पद पर स्थापित किया जाएगा।
2. इसके तहत् सीडीएस का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1और 2 दोनों

(d) न तो 1, न तो 2

Expected Questions (Prelims Exams)

1. Recently, some changes have been made in the rules related to the post of Chief of Defense Staff. In this context, consider the following statements:

1. CDS will be installed as the Secretary of the Department of Military Affairs in the rank of Four Star General.
2. The tenure of CDS has been fixed for 5 years under it

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2

(c) Bothe 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

नोट : 27 दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (d) होगा।

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: विकसित देशों की तर्ज पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पद का गठन भारतीय परिस्थितियों में कितना कारगर सिद्ध हो सकता हैं? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

How would the constitution of the post of Chief of Defence staff on the lines of developed countries be effective in Indian conditions? Discuss (250 words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।